[श्री बागड़ी]

अब पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी की बैठक कोई इस सदन की तरह से अध्यक्ष के अधीन तो होती नहीं है और उस में श्री मौर्य के जाने पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए और उस के अन्दर उन्हें जाने की इजाजत दी जाय। इस के लिए मैं आपसे पहले व्यवस्था चाहता हूं और उस के बाद मैं ऐलान करूंगा।

अध्यक्ष महोदय : मेरी व्यवस्था यही है कि जब कोई मेम्बर सर्विस ऑफ दी हाउस से सस्पेंड किया जाता है तो उस सस्पेंडड मेम्बर का पार्लियामेंटरी कमेटी को अटेंड करना या वहां काम करना भी मना है क्योंकि पार्लियामेंटरी कमेटी में जाना और काम करना भी सर्विस ऑफ़ दी हाउस से अलहदा नहीं है।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, यह कैसे......

अध्यक्ष महोदय : अब यह बहस की बात नहीं है क्योंकि जो नियम हैं उस के अनुसार मैं ने व्यवस्था दे दी है।

12.44 hrs.

RE. ADDITION OF MEMBER TO S. S. P. GROUP

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के अन्दर हर्ष के साथ इस बात का ऐलान करता हूं कि चौधरी लाखन दास जोकि इस सदन के एक माननीय सदस्य हैं उन्होंने संयुक्त समाजवादी दल के अन्दर लोक सभा में स्थान ग्रहण कर लिया है।

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद): इस संबंध में मेरा एक व्यवस्था का सावल है। संयुक्त समाजवादी दल इस समय 11 सदस्यों का हो गया है और हमारे दल के नेता को सदन में दल की संख्या के अनुरूप जगह मिलनी चाहिए। यह सवाल कई दफे उठाया जा चुका है लेकिन कभी भी इस पर फैसला नहीं हो पाता है हमारे दल के नेता की यहां हाउस में बैठने की जगह हमारे दल की यहां पर संख्या के अनुसार होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : यह बात बिलकुल ठीक है। मेरे नोटिस में यह चीज दो, तीन दफे लाई गई है। पिछली दफे जब सैशन चल रहा था और उस के दरमियान में यह मामला उठाया गया था तो मैं ने कहा था कि सैशन के दरमियान में मैं कोई दखल नहीं देना चाहता। अब जब सैशन शुरू हुआ है तो वाक़ई उनकी यह बात जायज़ थी कि उन की संख्या के मुताबिक उनके दल के नेता को यहां पर जगह दी जाये। इस बारे में शायद परसों इनके नेता भी मुझसे मिले थे। मैंने कहा था कि मैं इसकी कोशिश कर रहा हूं और विचार कर रहा हूं कि कहीं न कहीं से जगह तलाश करूं और उनको जगह दूं। (हंसी) हंसी की मैंने तो कोई बात नहीं की है अगर कुछ गलत निकल गया हो तो मैं माफ़ी चाहता हूं।

डा० राम मनोहर लोहिया : उन को हंस लेने दीजिये। हंसने का वक्त आयेगा आख़िर में बहुत अच्छी तरह।

अध्यक्ष महोदय : डा० साहब मैं बड़ी संजीदगी से इस बात को कह रहा हूं।

डा० राम मनोहर लोहिया : आप की बात मैं समझ रहा हूं बाक़ी उधर के वह लोग तो नासमझी करते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मुझे थोड़ा वक्त दीजिये ताकि मैं इसको कर सकूं।